Hindi Murli Quiz 01-04-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है| मुरली सुनने के लिए यहाँ क्लिक करें| पुरानी क्विज के लिए यहाँ क्लिक करें |

Q.1) **तुम बच्चे जानते हो बाप हमको पढ़ाते हैं पुरूषोत्तम सो देवता बनाने। यह याद जिनको स्थाई रहती है .....**
(सभी उत्तर कुछ न कुछ ठीक हो सकते हैं परन्तु आज की मुरली अनुसार एक ही सटीक उत्तर का चयन करें)

A. उन्हें ही ऊंच पद प्राप्त हो सकता है |
B. वह बहुत मधुर होंगे |
C. वह अलौकिक सर्विस भी बहुत करते रहेंगे।

Q.2) **शब्दों को अर्थों के अनुसार जोडें --**

	Choice		Match
A	भल बच्चे समझदार हैं परन्तु	1	ऐसे कोई कहते नहीं हैं।
B	माया का परछाया पड़ता है फिर	2	यह बहुत अच्छा है। मनुष्यों के लिए बहुत कल्याणकारी है, सबको दिखाना चाहिए।
C	बच्चों को सर्विस का	3	अनुभव पाकर आना चाहिए।
D	प्रदर्शनी तो करते रहते हैं	4	दो रोज बाद ठीक हो जाते हैं।
E	कोई तो सिर्फ कह देते हैं	5	क्यों नहीं मनुष्य समझकर झट लिखते हैं कि बरोबर गीता कृष्ण की नहीं, शिव भगवान की गाई हुई है।
F	परन्तु मैं भी यह वर्सा लूँगा....	6	सर्विस पूरी नहीं करते तो बाबा समझते हैं राहू की दशा बैठी है।

Q.3) **वह बाप भी है, टीचर भी है, सतगुरू भी है। एक को याद करेंगे तो टीचर और गुरू दोनों की याद आयेगी।**

A. True / ये वाक्य सही है
B. False / ये वाक्य गलत है

Q.4) **जानवर भी सुधर जाते हैं। जानवरों को सुधारने वाले हैं मनुष्य। मनुष्यों को सुधारने वाला है बाप। बाप कहते हैं तुम भी जानवर मिसल हो। तो मुझे भी कच्छ अवतार, वाराह अवतार कह देते हो। जैसे तुम्हारी एक्टिविटी है, उनसे भी बदतर मुझे कर दिया है।**

A. False / ये वाक्य गलत है
B. True / ये वाक्य सही है

Q.5) **तुम पुरूषोत्तम संगमयुगी ब्राह्मण अभी ईश्वर की __ में आये हो, तुम्हें मनुष्य से देवता बनना है तो दैवीगुण भी चाहिए |**

A. गोद
B. शरण
C. नगरी

Q.6) **प्रदर्शनी के चित्रों पर ख्यालात चलाओ। किसको हम कैसे समझायें। पहली- पहली बात यह उठाओ-**

A. स्वर्ग आने वाला है |
B. गीता का भगवान कौन?
C. हम आत्मा हैं |
D. सृष्टि चक्र कैसे फिरता है |

Q.7) **Match the following**

	Choice		Match
A	अभी हम इस शरीर को छोड़ घर जाते हैं, यह पक्का याद कर लो, हम आत्मा हैं-यह भी याद रहे और अपना घर भी याद रहे तो	1	चोरी चकारी, झूठ बोलना, पाप करना..... यह सब आदतें पड़ जाती हैं।
B	वह हठयोगी कोई सारे सृष्टि का सन्यास थोड़ेही करते हैं	2	उन्होंने फिर आत्मा सो परमात्मा कह दिया है, जो कुछ बोलते हैं बिल्कुल रांग।
C	देह-अभिमानी बनने से	3	फिर कहते हमारा आवाज ही ऐसा है।
D	आवाज से बोलने की भी आदत पड़ जाती है	4	उनका है अधूरा।
E	हम सो पूज्य, हम सो पुजारी, यह मन्त्र है बहुत अच्छा।	5	हम ऊंच पद पाने के लायक कहाँ तक बने हैं?
F	बच्चे जानते हैं हम बाबा के सम्मुख बैठे हैं	6	बुद्धि से सारी दुनिया का सन्यास हो गया।

G	अपने से सदैव पूछते रहो-	7	तो और ही जास्ती पढ़ना चाहिए।

Q.8) **ऋषि-मुनि आदि कोई को भी न बाप का परिचय है, न रचना के आदि-मध्य-अन्त का इसलिए पहले-पहले तो यह समझाकर लिखवाओ कि**

A. गीता का भगवान शिव निराकार है |

B. भगवान परमधाम में रहते हैं |

C. भगवान एक है।

Q.9) **ब्राह्मण बच्चों को किस बात में अपनी बहुत-बहुत सम्भाल करनी है और क्यों?**

(उत्तर एक या एक से ज्यादा भी हो सकते हैं)

A. सारे दिन की दिनचर्या में कोई भी पाप कर्म न हो इससे सम्भाल करनी है |

B. श्रीमत पर कितना परसेन्ट चलते हैं?

C. बाप का बनने के बाद कोई विकर्म होता है तो एक का सौ गुणा हो जाता है।

D. रावण मत पर तो नहीं चलते?

E. चेक करो किसी को दु:ख तो नहीं दिया?

Q.10) **शब्दों को अर्थों के अनुसार जोडें --**

	Choice		Match
A	अपने को सचमुच ब्राह्मण समझते हैं	1	ऐसा भी नहीं है।
B	जानते हो हम पुरूषोत्तम तब बनेंगे जब	2	तीनों ही फिर उस एक बाप को ही कहेंगे।
C	आगे जो पाप करते थे तो	3	अब्बा को यानी मोस्ट बिलवेड बाप को याद करेंगे।
D	प्रदर्शनी में समझाने का अक्ल चाहिए।	4	परन्तु अपने में इतनी हिम्मत नहीं समझते।
E	बड़ी-बड़ी प्रदर्शनी होती है तो जो अच्छे-अच्छे सर्विसएबुल बच्चे हैं, उनको जाकर सर्विस करनी चाहिए।	5	उसका 10 परसेन्ट चढ़ता था।
F	तुम गुरू तो बनते हो ना। फिर तुमको बाप नहीं कहेंगे। टीचर गुरू कहेंगे, बाप नहीं।	6	बाबा मना थोड़ेही करते हैं।